G1613

अन्तर्भाव

काव्य संग्रह

हरिश्चन्द्र 'पुष्प'

Scanned with OKEN Scanner

01613

अन्तर-भाव

(काव्य संग्रह)

हरिश्चन्द्र 'पुष्प'

प्रकाशक–
श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद्
टीकमगढ़ (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

हरिश्चन्द्र
'पुष्प'

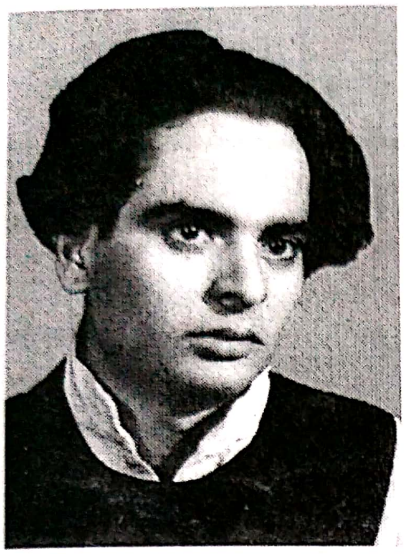

तब

हरिश्चन्द्र 'पुष्प'

सन् 1949

जन्म

30 मार्च 1928

जन्म स्थान

ग्राम–सरकनपुर, जिला–टीकमगढ़

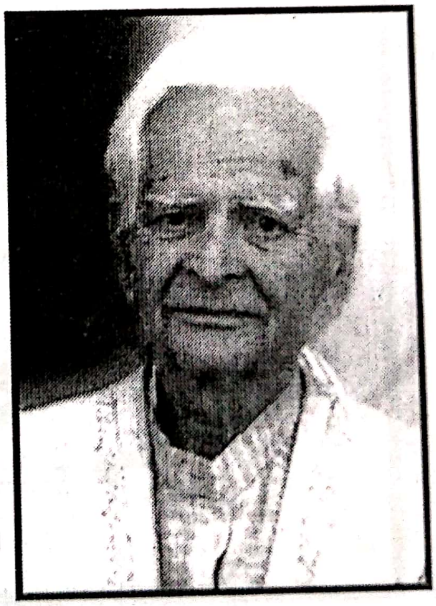

अब

हरिश्चन्द्र 'पुष्प'

सन् 2010

Scanned with OKEN Scanner

अन्तर-भाव (काव्य संग्रह)

रचयिता- हरिश्चन्द्र 'पुष्प'

V1613

संस्करण – प्रथम वर्ष (2010)

प्रतियां – 500

प्रकाशक – श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद
टीकमगढ़ (म.प्र.)

शब्द संयोजन– सुनील प्रिंटिंग प्रेस, टीकमगढ़

मुद्रक – **सुनील प्रेस**
मांझ जैन मंदिर रोड, टीकमगढ़
से मुद्रित एवं प्रकाशित

सहयोग – 50/–

ANTAR BHAV

By- Harish Chandra "PUSHP"

Scanned with OKEN Scanner

श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद

संस्थापक – राय बहादुर, रावराजा, डॉ. श्यामबिहारी मिश्र 'मिश्रबंधु'
तत्कालीन प्रधानमंत्री ओरछा राज्य टीकमगढ़ (बुन्देलखण्ड)
कार्यालय– परिषद चौक किले का मैदान, टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001

S1613

प्रकाशकीय

देश के सर्वश्रेष्ठ साहित्य मनीषियों में परिगणित महापंडित राहुल सांकृत्यायन, लोकनायक श्री जयप्रकाश नारायण जैसे महापुरूषों का अनेक वर्ष सान्निध्य प्राप्त नगर के वरिष्ठतम साहित्यकार आदरणीय श्री हरिश्चन्द्र जी 'पुष्प'' सदैव स्व प्रकाशन एवं मान सम्मान से दूर भागते रहे। फल स्वरूप उनकी प्रतिभा से साहित्यकारों की वरिष्ठ पीढ़ी के अतिरिक्त नई पीढ़ी पूरी तरह से अनजान है।

अबसे साठ वर्ष पूर्व तरूणाई में 'पुष्प'' जी ने जो काव्य सृजन किया उनके प्रकाशन पर अपने स्वाभावानुसार कभी विचार नहीं किया । परिषद द्वारा अनेक बार आग्रह किए जाने पर उनकी कुछ रचनाएं प्राप्त हो सकीं। जिन्हें प्रकाशित कर परिषद गौरव का अनुभव करती है।

हमें विश्वास है कि पाठकों द्वारा कृति को सराहा जाएगा ।

डॉ. एन.डी. सोनी
महासचिव

हरिविष्णु अवस्थी
अध्यक्ष

Scanned with OKEN Scanner

नाम - **हरिश्चन्द्र 'पुष्प'**

माता-पिता स्व.श्रीमती रजनबाई
स्व.श्री चौधरी मूलचन्द्र जैन
(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी)

1919-20 में रोलट एक्ट के विरोध में आंदोलनरत स्वयं सेवक, कारावास की सजा।

जन्मतिथि- चैत्र शुक्ल 9 (रामनवमी) संवत् 1985, 30 मार्च 1928

विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं -

1. रियासतों के सामंती शोषण एवं असहाय गरीबी से बिलखते सामान्य जन की पीड़ा को अनुभव कर बाल चित्त में उद्वेग। छोटी अवस्था में ही ओरछा सेवा संघ की स्वतंत्रता आंदोलन हेतु चल रही गतिविधियों से जुड़कर कार्यालय व्यवस्थापन कार्य करते रहे ।
2. आंदोलनों एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी चंदेरा आंदोलन, वन आंदोलन, जंगल सत्याग्रह आदि ।
3. जागीरदारों के उत्पीड़न, अत्याचारों के विरुद्ध क्षेत्र में जन-जागरण, जुल्म, ज्यादतियों का विरोध जागीरदारों द्वारा प्रताड़ित।
4. गांव-गांव में पदयात्रा एवं जनमानस को स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु उद्वेरणा ।
5. वर्धा में गांधी के रचनात्मक भावों में जुड़ाव।
6. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के साहित्यिक विभाग का व्यवस्था कार्य।
7. महापंडित राहुल सांकृत्यायन जी के साथ 2 वर्ष मसूरी में रहकर उनके द्वारा सृजित ग्रंथों की पांडुलिपियां तैयार करने, भारत के अनेक बहुचर्चित साहित्य मनीषियों से जीवंत संपर्क हुआ।
8. सर्वोदय सम्मेलनों से जीवनधारा के प्रवाह की विचार गतिशीलता अर्जित की ।
9. देश के अनेक विचारकों के निकट सान्निध्य से भावों की शुद्धि और ज्ञानार्जन का लाभ।
10. साहित्य सृजन काव्य रचना का प्रारंभिक प्रयास, गद्य लेखन में रुचि।
11. सार्वजनिक क्षेत्र में निरन्तर सेवारत, विनोबा जी की भूदान पदयात्रा में देश भ्रमण । विन्ध्य प्रदेश भूदान यज्ञसमिति के सह संयोजक
12. आपातकाल में भूमिगत रहकर जे.पी. के समग्र क्रांति के विचारों को लोगों तक पहुंचाया । शासन की दमन कारी नीतियों के विरुद्ध जनजागरण । गिरफ्तार, हुए देशद्रोह का मुकद्दमा चलाया गया ।
13. 26 जून 1976 को जे.पी. के आवाहन पर काला दिवस मनाया। मां, पत्नी, ने काला ध्वज फहराया।
14. 24 जून 1976 को टीकमगढ़ में गिरफ्तार ।
15. साहित्य पठन-पाठन में अभिरुचि देश के मूर्धन्य साहित्यकारों की कृतियों का अध्ययन।
16. श्री कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर के संपादक पत्र में सहारनपुर से प्रकाशित भारतीय ज्ञानपीठ काशी के मुखपत्र ज्ञानोदय के व्यवस्था संपादक ।
17. महापंडित राहुल सांकृत्यायन के निज सहायक के रूप में कार्य किया ।
18. समाजवाद के अग्रदूत जयप्रकाश नारायण जी के सान्निध्य में 1 वर्ष 8 माह कार्यरत। विहार लीफ कमेटी के हिसाब नवीस के रूप में पटना रहा।
19. सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाजों के अध्ययन-मनन हेतु सतत देश भ्रमण।
20. मातृभूमि से अगाध स्नेहभाव, जन्मभूमि के लिए जीवन समर्पित।
21. साहित्य सृजन में सतत अभिरुचि ।

सम्प्रति - **हरिश्चन्द्र 'पुष्प'** अध्यक्ष म.प्र. गांधी स्मारक निधि
महाकवि केशव मार्ग, ताल दरवाजा, टीकमगढ़ (म.प्र.) दूरभाष- 07683-244500

Scanned with OKEN Scanner